# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 30.6.26 | 12 | 7-8 |

## विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर कार्यक्रम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के अंतर्गत स्थापित आईपीआर सेल की ओर से विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों के बीच पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन तथा पौध संरक्षण अधिनियम जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश मेहता, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीके शर्मा, डॉ. अशोक कुमार गोयल, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकास हुड्डा सहित डॉ. योगेश जिंदल एवं डॉ. जितेंद्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 30.4.26 | 5 | 7-8 |

## प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवेदन एक मई से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से मई और जून के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मशरूम उत्पादन तकनीक के तीन प्रशिक्षण, मधुमक्खी पालन के दो प्रशिक्षण, वर्मी कम्पोस्ट/केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक, पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन, फल एवं सब्जी परिरक्षण, बेकरी, कटाई एवं सिलाई और डेयरी फार्मिंग का एक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 1 से 6 मई तक दोपहर 2 बजे तक संस्थान में आवेदन फॉर्म जमा कर सकते हैं। ब्यूरो

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 30-4-26 | 12 | 5-6 |

## हकृवि-लुवास में ग्रीष्मकालीन समय सारिणी एक मई से लागू

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा। फ़िलहाल विश्वविद्यालय में शरद्कालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक है, जो एक मई से बदलकर प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक हो जाएगा। उधर, लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु-विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में 1 मई से 31 जुलाई तक ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके तहत विश्वविद्यालय का कार्य समय सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेशों के अनुसार विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पशु-विज्ञान केन्द्रों व पशु रोग निदान प्रयोगशालाओं में भी यह समय-सारणी लागू होगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में शीतकालीन समय-सारणी के तहत कार्य समय सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक है, जो 1 मई से बदलकर सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक हो जाएगा। साथ ही, प्रशासन द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक माह का दूसरा व चौथा शनिवार का अवकाश पहले की तरह ही लागू रहेगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 30.4.26 | 1 | 6 |

## एचएयू-लुवास: 1 मई से समय सारिणी बदली

हिसार | एचएयू में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। 1 मई से 31 जुलाई, 2026 तक एचएयू कार्यालय प्रात: 7 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विवि के प्रदेश स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कॉलेज, कौल व कृषि कॉलेज, बावल में 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा।

वहीं, लुवास कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार लुवास में 1 मई से 31 जुलाई तक लुवास का कार्य समय सुबह 7 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। विवि के विभिन्न पशु-विज्ञान केन्द्रों व पशु रोग निदान प्रयोगशालाओं में यह समय-सारणी लागू होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 30.4.26 | 3 | 4-5 |

# नवाचार को बढ़ावा देते हैं बौद्धिक संपदा अधिकार : डा. अशोक

हकृवि में अधिकारियों के साथ प्रतिभागी • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के अंतर्गत स्थापित आइपीआर सेल द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार न केवल नवाचार को बढ़ावा देते हैं, बल्कि शोधकर्ताओं को उनके कार्य के लिए उचित संरक्षण एवं पहचान भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. सतीश मेहता ने शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्य को प्रारंभ से ही व्यवस्थित एवं सटीक रूप से तैयार करने की सलाह दी।

संस्थान के सह निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने बताया गया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष एक नई थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

## मई व जून में प्रशिक्षण शिविर होंगे आयोजित

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मई और जून मास के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मशरूम उत्पादन तकनीक के तीन प्रशिक्षण, मधुमक्खी पालन के दो प्रशिक्षण, वर्मी कम्पोस्ट/केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक, संरक्षित खेती/पालीहाउस में सब्जी उत्पादन, फल एवं सब्जी परिरक्षण, बेकरी, कटाई एवं सिलाई तथा डेयरी फार्मिंग का एक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 30-4-21 | 4 | 3-4 |

## एचएयू में बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के अंतर्गत स्थापित आईपीआर सेल द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने बताया गया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष एक नई थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्य को प्रारंभ से व्यवस्थित एवं सटीक रूप से तैयार करने की सलाह दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी. के. शर्मा ने सभी से बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करने एवं नवाचार एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार गोयल, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकास हुड्डा, डॉ. योगेश जिंदल एवं डॉ. जितेंद्र भाटिया उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 30-4-26 | 3 | 7-8 |

## विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

*प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।*

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के अंतर्गत स्थापित आई.पी.आर. सेल द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्थान के सह निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों के बीच पेटेंट, कॉपीराइट, डिज़ाइन तथा पौध संरक्षण अधिनियम जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्य को प्रारंभ से ही व्यवस्थित एवं सटीक रूप से तैयार करने की सलाह दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी. के. शर्मा ने सभी से बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करने एवं नवाचार एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार गोयल, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकास हुड्डा सहित डॉ. योगेश जिंदल एवं डॉ. जितेंद्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 30-4-26 | 5 | 1-2 |

## विश्व बौद्धिक सम्पदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 29 अप्रैल (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के अंतर्गत स्थापित आई.पी.आर. सेल द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने बताया गया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष एक नई थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'बौद्धिक संपदा और खेल- तैयार हो जाइए, नवाचार शुरू कीजिए' रखी गई है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों के बीच पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन तथा पौध संरक्षण अधिनियम जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार न केवल नवाचार को बढ़ावा देते हैं, बल्कि शोधकर्ताओं को उनके कार्य के लिए उचित संरक्षण एवं पहचान भी प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्य को प्रारंभ से ही व्यवस्थित एवं सटीक रूप से तैयार करने की सलाह दी, जिससे नवीनता, आविष्कार शीलता एवं उपयोगिता सुनिश्चित हो सके।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 30-4-26 | 4 | 7-8 |

## बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व शिक्षक। स्रोत : संस्थान

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को आईपीआर सेल ने विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। सह निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन वर्ष 2000 से यह दिवस मना रहा है, और 2026 की थीम 'बौद्धिक संपदा और खेलः तैयार हो जाइए, नवाचार शुरू कीजिए' रखी गई है। डॉ. सतीश मेहता ने शोधार्थियों को सटीक अनुसंधान कार्य तैयार करने की सलाह दी। डॉ. डीके शर्मा ने नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। ब्यूरो